खबर संक्षेप

पेट्रोल पंप संचालक ने सड़क किनारे के दो हरे-भरे आम के पेड़ काटे

शहडोल। ब्योहारी-रीवा मुख्य मार्ग पर तहसील कार्यालय के ठीक पास बन रहे जियो पेट्रोल पंप के संचालक की बड़ी दबंगई सामने आई है। पेट्रोल पंप के सामने का रास्ता साफ करने और चमचमाती दुकान को हाईवे से दिखाने के लिए इस रसूखदार ने मुख्य सड़क के किनारे लगे फलदार और हरे-भरे आम के दो विशालकाय वृक्षों को अवैध रूप से काटकर जमींदोज कर दिया। हैरानी की बात यह है कि जब पारा आसमान छू रहा है और लोग तपन भरी इस भीषण गर्मी में एक-एक पेड़ की छांव को तरस रहे हैं, तब इस दबंग ने सरेआम पर्यावरण का कत्लेआम कर दिया। सूत्रों की मानें तो इस पूरी करतूत को बिना किसी वैध परमिशन के अंजाम दिया गया है, और पेड़ों को काटकर आनन-फानन में मौके से गायब भी कर दिया गया ताकि सबूत मिटाया जा सके।

जिम्मेदार अमला तमाशबीन- तहसील दफ्तर की नाक के ठीक नीचे हुए इस पर्यावरण विनाश ने प्रशासनिक अमले की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरेआम हुई इस अंधाधुंध कटाई पर कार्रवाई करने के बजाय जिम्मेदार सरकारी महकमे अपनी खाल बचाने और पल्ला झाड़ने में लगे हैं। वन विभाग के नुमाइंदे इस पूरे मामले का ठीकरा नगरीय निकाय के सिर फोड़ रहे हैं, तो वहीं नगरीय निकाय के साहबान इसे एमपीआरडीसी का पेड़ बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। सरकारी विभागों की इसी आपसी नूराकुश्ती और सुस्ती का फायदा उठाकर पेट्रोल पंप संचालक ने सरेआम पर्यावरण कानून की धज्जियां उड़ा दीं। क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि साहबों की जेबें गर्म हैं, इसीलिए इस बड़े कृत्य पर भी सबने अपनी आंखें मूंद रखी हैं। जनता अब सीधे मांग कर रही है कि इस रसूखदार पेट्रोल पंप संचालक पर भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाए और तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

शिब्बू सिंह का रेत से लदा हाईवा जब्त

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और सफेद सोने (रेत) के काले कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने अब पूरी तरह से कमर कस ली है। कलेक्टर के कड़े रुख और खनिज अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में विभाग की टीम ने ब्यौहारी अंचल में आधी रात को एक बड़ी छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया है। मंगलवार, 2 जून को तड़के खनिज विभाग की टीम ने ब्यौहारी तहसील में अवैध परिवहन में लिप्त एक विशालकाय 12 चक्का हाईवा ट्रक को रंगे हाथों दबोच लिया। इस औचक कार्रवाई से क्षेत्र के रेत चोरों और माफिया तंत्र में हड़कंप मच गया है।k ब्यौहारी क्षेत्र में पिछले काफी समय से खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की लगातार इनपुट मिल रही थी। इन गुप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी खनिज निरीक्षक (वृत्त-ब्यौहारी) के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। मंगलवार रात को जब पूरा इलाका गहरी नींद में सोया था, तब ठीक रात 02 बजे खनिज अमले ने ब्यौहारी क्षेत्र में औचक नाकाबंदी कर दी। इसी दौरान ब्यौहारी स्थित आनंद फीलिंग पेट्रोल पंप के पास एक संदिग्ध 12 चक्का हाईवा को टीम ने घेराबंदी करके रोका। जब अमले ने वाहन की तलाशी ली, तो वह अवैध रूप से उत्खनन की गई रेत से ऊपर तक लबालब भरा हुआ था।

खनिज विभाग की टीम ने जब वाहन चालक से रेत परिवहन से जुड़े वैधानिक दस्तावेज और सरकार की रॉयल्टी पर्ची मांगी, तो उसके होश उड़ गए। चालक न तो कोई वैध कागजात दिखा सका और न ही रेत का कोई स्रोत बता पाया। चोरी का माल साबित होने पर खनिज अमले ने बिना देर किए रेत सहित उस कीमती हाईवा को तुरंत जब्त कर लिया और सुरक्षा के लिहाज से ब्यौहारी थाने की शासकीय अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में चालक ने उगल दिया कि इस अवैध रेत के काले खेल का असली मास्टरमाइंड वाहन मालिक शिब्बू सिंह निवासी ब्यौहारी है। सहायक खनिज अधिकारी ने साफ किया है कि संबंधित वाहन चालक और रसूखदार मालिक शिब्बू सिंह के खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस पूरे केस को सख्त दंडात्मक और जुर्माने की आगामी कार्रवाई के लिए सीधे कलेक्टर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

54 वर्षों से शहडोल संभाग की सियासत की धुरी बनी है दलबीर की कोठी

दल बदले पर नहीं बदला इस आदिवासी राजघराने का रसूख

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हर वर्ष 2 जून को पुण्यतिथि पर उमड़ता है जनसैलाब

दिल्ली से लेकर भोपाल तक गूंजती है इस सियासी गढ़ की आवाज

शहडोल।

विंध्य और मध्य प्रदेश की राजनीति में कई गढ़ बने और ढहे, लेकिन शहडोल संभाग के पुष्पराजगढ़ स्थित दलबीर की कोठी (हवेली) एक ऐसा सियासी केंद्र है, जिसकी चमक पिछले 54 वर्षों से फीकी नहीं पड़ी। आदिवासी अंचल के सबसे प्रतिष्ठित और रसूखदार राजनीतिक परिवारों में शुमार स्वर्गीय दलबीर सिंह, उनकी पत्नी स्वर्गीय राजेश नंदिनी सिंह और अब उनकी सुपुत्री सांसद हिमाद्री सिंह ने तीन पीढियों से क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। इस पुश्तैनी आदिवासी परिवार के पास समृद्ध जमीनी विरासत तो पहले से थी, लेकिन दलबीर सिंह के केंद्रीय राजनीति में बढ़ते कद के साथ यह कोठी अंचल की सत्ता का सबसे बड़ा पावर सेंटर बन गई। आज भी चाहे भाजपा हो या कांग्रेस, या फिर शासन-प्रशासन के गलियारे, इस चौखट पर आकर हर दल के नेता और बड़े प्रशासनिक अधिकारी अपनी हाजिरी दर्ज कराना गौरव की बात समझते हैं।

निर्दलीय जीत से शुरू हुआ सियासी सफर

वर्ष 1972 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस परिवार की राजनैतिक धुरी स्थापित हुई थी। मूल रूप से कांग्रेसी विचारधारा के होने के बावजूद, तत्कालीन राजनीतिक समीकरणों के चलते दलबीर सिंह ने पुष्पराजगढ़ (स्ज्ञ) सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा। उन्होंने बड़े-बड़े राजनैतिक दलों के दिग्गजों को हराकर अपनी जमीनी ताकत का अहसास कराया और पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हुए। यह वह दौर था जब पूरे शहडोल संभाग में कमला प्रसाद और दलबीर सिंह जैसे चंद कद्दावर नेताओं का ही सिक्का चलता था।

दिल्ली में बढ़ा कद और कोठी का विस्तार

वर्ष 1980 में जब दलबीर सिंह शहडोल लोकसभा सीट से पहली बार कांग्रेस (आई) की टिकट पर सांसद चुनकर दिल्ली पहुंचे, तो उनकी कोठी का स्वरूप भी व्यापक होने लगा। इसके बाद वे 1984 और फिर 1991 में लगातार भारी मतों से जीतकर संसद पहुंचे। इस दौरान राजीव गांधी से लेकर पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकारों में उनका जलजला और रसूख दिल्ली तक देखा गया। उन्होंने केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री जैसे भारी-भरकम विभागों की जिम्मेदारी संभाली, जिसने शहडोल को देश के नक्शे पर एक नई पहचान दी।

राजेश नंदिनी ने संभाली पति की विरासत

वर्ष 2000 में पूर्व केंद्रीय मंत्री दलबीर सिंह के असमय निधन के बाद अंचल की राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया था। तब जनता और कांग्रेस पार्टी के भारी आग्रह पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राजेश नंदिनी सिंह ने घरेलू दहलीज से बाहर निकलकर जमीनी राजनीति संभाली। उन्होंने 1993 से 1998 तक कोतमा विधानसभा से कांग्रेस विधायक के रूप में क्षेत्र की सेवा की। इसके बाद वर्ष 2009 के आम चुनाव में वे शहडोल संसदीय सीट से 15वीं लोकसभा की सांसद चुनी गईं। यद्यपि वे सरकार में मंत्री नहीं रहीं, लेकिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और कई संसदीय समितियों में उनका खासा दबदबा रहा।

असमय विदाई और उप-चुनाव की कसौटी

इस परिवार के लिए वर्ष 2016 बेहद भावुक और उथल-पुथल भरा रहा। 8 मई 2016 को 59 वर्ष की आयु में श्रीमती राजेश नंदिनी सिंह का शहडोल में अचानक दिल का दौरा पडऩे से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन के ठीक 6 महीने बाद, नवंबर 2016 में हुए शहडोल लोकसभा के उप-चुनाव में उनकी बेटी हिमाद्री सिंह को कांग्रेस की टिकट पर उतरना पड़ा। पिता को महज 12 वर्ष की उम्र में खोने वाली हिमाद्री यह पहला चुनाव बेहद कम अंतर से हार गईं, लेकिन उन्होंने जनता के बीच रहकर संघर्ष जारी रखा।

हिमाद्री सिंह के नाम ऐतिहासिक रिकॉर्ड

बाद में राजनीतिक समीकरण बदले और हिमाद्री सिंह भारतीय जनता पार्टी (क्चछ्वक्क) में शामिल हो गईं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की टिकट पर उन्होंने 4 लाख से अधिक वोटों के ऐतिहासिक अंतर से जीत दर्ज की। इसके बाद 2024 के आम चुनाव में भी भाजपा ने उन पर भरोसा जताया और वे दोबारा लगातार सांसद चुनी गईं। इसके साथ ही इस परिवार के नाम एक अनूठा और दुर्लभ रिकॉर्ड दर्ज हो गया, जहां एक ही परिवार की तीन पीढियों—पिता, माता और अब बेटी—ने संसद सदस्य बनकर शहडोल की आवाज को दिल्ली तक पहुंचाया है।

2 जून को दलगत राजनीति से परे आस्था

2 जून की तिथि एक बार फिर इस कोठी के ऐतिहासिक महत्व को बयां कर रही है। हर साल की तरह इस बार भी स्वर्गीय दलबीर सिंह की पुण्यतिथि पर बिना किसी निमंत्रण, बिना किसी राजनैतिक झंडे या बैनर के सैकड़ों की संख्या में लोग पुष्पराजगढ़ पहुंचे। यह इस कोठी की तासीर ही है कि यहाँ भाजपा से कहीं ज्यादा कांग्रेस के पुराने और वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपनी आस्था जताने पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ (जो कभी एक हुआ करते थे) के प्रशासनिक गलियारों से लेकर दिल्ली तक फैले इस परिवार के शुभचिंतक अधिकारी-कर्मचारी आज भी इन्हें विकास पुरुष के रूप में याद करते हैं। कई राजनीतिक विश्लेषकों ने समय-समय पर दावे किए कि अब इस परिवार की राजनीति खत्म हो गई, लेकिन हर बार सियासत घूम-फिरकर इसी कोठी के इर्द-गिर्द सिमट आती है। भले ही आज हिमाद्री सिंह भाजपा की सांसद हैं, लेकिन उनकी विरासत और दबदबे का लोहा भोपाल से लेकर दिल्ली तक हर कोई मानता है।

सोते हुए दुकानदार पर जानलेवा हमला जबलपुर रेफर, पुलिस ने दर्ज किया मामला

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुदरा टोला रिमार में आधी रात को एक ऐसी दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। घर के बाहर खाट पर सो रहे एक सीधे-साधे ग्रामीण पर अज्ञात दरिंदों ने भारी पत्थर से हमला कर उसे मौत के घाट उतारने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अमला तुरंत हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर तफ्तीश शुरू कर दी है। पीड़ित के भाई की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया है।दिल को झकझोर देने वाली इस वारदात का सबसे क्रूर पहलू यह है कि हमलावरों ने इस कायरतापूर्ण कृत्य को तब अंजाम दिया, जब गांव में किराना दुकान और मुर्गा कारोबार चलाने वाला मुन्ना रैदास पिता बाबूलाल रैदास अपने घर के बाहर खुले आसमान के नीचे गहरी नींद में था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि उसकी खाट पर ही उसकी 3 साल की मासूम नातिन भी सो रही थी। घात लगाकर आए अज्ञात बदमाशों ने सोते हुए मुन्ना के सिर और चेहरे को निशाना बनाते हुए करीब 5 किलोग्राम से अधिक वजनी भारी पत्थर दे मारा। इस जानलेवा हमले में मुन्ना का सिर और चेहरा बुरी तरह कुचल गया, जबकि पास सो रही मासूम बच्ची बाल-बाल बच गई।आधी रात को अचानक मुन्ना की दर्दनाक चीखें और रोने की आवाजें गूंज उठीं। पति की आवाज सुनकर घर के अंदर सो रही पत्नी बदहवास हालत में बाहर भागी, वहीं दादा के पास सो रही मासूम नातिन भी इस खौफनाक मंजर को देखकर सहम गई और जोर-जोर से रोने लगी। चारों तरफ खून बिखरा देख परिजनों ने आनन-फानन में लहूलुहान मुन्ना को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। वहां हालत बेहद नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उसे तत्काल शहडोल और फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। फिलहाल इस खूनी हमले की मुख्य वजह क्या थी, यह साफ नहीं हो पाया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही इन नकाबपोश कायर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

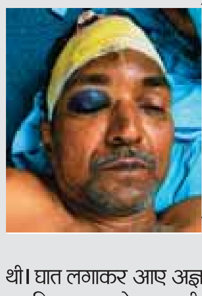

नपा उपाध्यक्ष के पति से रिश्वत लेते धराया लेखापाल

सरकारी मकान के निपटारे के नाम पर कर रहा था 75 हजार की वसूली

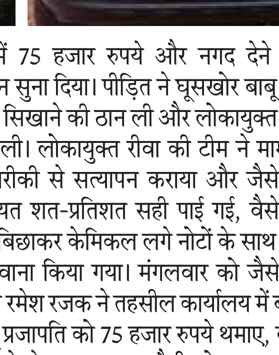

शहडोल।

भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे ब्यौहारी तहसील कार्यालय में मंगलवार को रीवा लोकायुक्त की टीम ने छापामार कार्यवाही की, जिससे पूरे प्रशासनिक महकमे में हडक़ंप मच गया। टीम ने तहसील कार्यालय के भीतर जाल बिछाकर सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति को 75 हजार रुपये की भारी-भरकम रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। लोकायुक्त की इस औचक और कार्रवाई से तहसील परिसर में हडक़ंप मच गया और घूसखोर कर्मचारियों के बीच अपनी चमड़ी बचाने के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोकायुक्त की टीम ने आरोपी को रंगे हाथ दबोच कर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कडक़ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लगातार बना रहा था दबाव

पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब बाणसागर के रहने वाले पीड़ित रमेश प्रसाद रजक पिता मंगल प्रसाद रजक ने रीवा लोकायुक्त कार्यालय पहुंचकर इस भ्रष्टाचार के खिलाफ लिखित गुहार लगाई। शिकायतकर्ता रमेश प्रसाद रजक कोई आम शख्स नहीं, बल्कि नगर परिषद खांड की उपाध्यक्ष सुधा रजक के पति हैं। शिकायत में साफ तौर पर आरोप लगाया गया था कि एक सरकारी मकान से जुड़े मामले का निपटारा करने और वहां से अवैध कब्जा हटाने की एवज में सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहा था और बिना घूस लिए काम को अटका कर रखा था।

लोकायुक्त टीम ने दबोचा

रिश्वतखोरी के इस मामले में आरोपी बाबू लल्लू प्रजापति की नीयत इतनी खराब थी कि वह पीड़ित से पहले ही 35 हजार रुपये की अग्रिम राशि (एडवांस) के रूप में डकार चुका था। इसके बावजूद उसका पेट नहीं भरा और उसने काम पूरा करने के बदले दूसरी किश्त के रूप में 75 हजार रुपये और नगद देने का फरमान सुना दिया। पीड़ित ने घूसखोर बाबू को सबक सिखाने की ठान ली और लोकायुक्त की शरण ली। लोकायुक्त रीवा की टीम ने मामले का बारीकी से सत्यापन कराया और जैसे ही शिकायत शत-प्रतिशत सही पाई गई, वैसे ही जाल बिछाकर केमिकल लगे नोटों के साथ ट्रैप दल रवाना किया गया। मंगलवार को जैसे ही पीड़ित रमेश रजक ने तहसील कार्यालय में बाबू लल्लू प्रजापति को 75 हजार रुपये थमाए, वैसे ही पहले से घात लगाकर बैठी लोकायुक्त की मुस्तैद टीम ने उसे दबोच लिया। पानी में हाथ डलवाते ही आरोपी बाबू की उंगलियां गुलाबी हो गईं और उसका झूठ बेनकाब हो गया।

ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसडीएम से लगाई न्याय की गुहार

नशे में धुत कोटेदार से परेशान गरीब

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पटासी से एक ऐसा शर्मनाक और आक्रोशित करने वाला मामला सामने आया है, जिसने गरीब कल्याण की योजनाओं की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। आरोप है कि ग्राम पंचायत पटासी में संचालित उचित मूल्य की दुकान (प्रिया स्व सहायता समूह) का संचालक राकेश सिंह गरीबों के हक के राशन की खुलेआम कालाबाजारी कर रहा है। वह आदिवासियों और ग्रामीणों के हिस्से का गेहूं, चावल और शक्कर डकार कर हर वक्त शराब के नशे में धुत रहता है। कोटेदार की इस मनमानी और तानाशाही से तंग आकर ग्राम प्रधान (सरपंच) भारत बैगा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टर और अनुविभागीय दंडाधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर इस भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है।

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र और सरपंच द्वारा एसडीएम को भेजी गई आधिकारिक शिकायत में कोटेदार राकेश सिंह के कारनामों का पर्दाफाश हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार आदतन अपराधी प्रवृत्ति का शराबी व्यक्ति है, जो कभी समय पर दुकान नहीं खोलता। हद तो तब हो जाती है जब वह शराब के नशे में मोहल्ले-मोहल्ले घूमकर राशन की पर्ची तो काट लेता है, लेकिन हितग्राहियों को गल्ला देने के नाम पर 4-5 दिनों तक लगातार चक्कर लगवाता है। शिकायत के मुताबिक, कोटेदार ने इलेक्ट्रॉनिक कांटे (तराजू) में भी सेटिंग कर रखी है, जिससे वह वजन ज्यादा दिखाता है और राशन कम देता है।

जब पीड़ित ग्रामीण और स्वयं सरपंच भारत बैगा इस धांधली का विरोध करते हैं, तो सत्ता और रसूख के नशे में चूर कोटेदार राकेश सिंह सीधे चुनौती देते हुए कहता है कि तू कलेक्टर है क्या? मैं ऐसे ही करूंगा, नहीं दूंगा राशन। जो करना हो कर लो, जब मेरा मन पड़ेगा तभी दूंगा। उसकी इस बदतमीजी के कारण सयाने और वृद्ध लोग दो-दो महीने से राशन की दुकान पर बैठे-बैठे आंसू बहाने को मजबूर हैं।

शिकायत पत्र में ग्रामीणों का दर्द और गुस्सा साफ छलक रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कोटेदार उनके कार्ड से मिलने वाले हक के खाद्यान्न को चोरी-छिपे ऊंचे दामों पर बाजार में बेच देता है। इस काली कमाई से वह दिन-रात दारू के नशे में धुत रहता है। जब ग्रामीण अपना विरोध दर्ज कराते हैं, तो वह मामले को रफा-दफा करने के लिए कुछ लोगों को दो-दो सौ रुपये का झुनझुना थमाकर संतुष्ट करने का घटिया प्रयास करता है। इस हेराफेरी के कारण गांव के मासूम बच्चों और परिवारों को पूरे महीने दाने-दाने के लिए तरसना पड़ रहा है।

इस महाघोटाले को लेकर अब ग्रामीणों का सब्र पूरी तरह टूट चुका है। इससे पूर्व खाद्य अधिकारी और अनुविभागीय दंडाधिकारी को भी शिकायतें भेजी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जवाहर सिंह, रामप्रसाद बैगा, समारू, रोहनल, गीता, हरदा नायक सहित समस्त ग्रामवासियों ने प्रशासन को दोटूक चेतावनी दी है कि उचित मूल्य की दुकान को पटासी से तत्काल हटाकर किसी दूसरी ग्राम पंचायत में स्थानांतरित किया जाए और भ्रष्ट कोटेदार राकेश सिंह को पद से हटाकर जेल भेजा जाए। यदि इस बार भी मामले को दबाने या लीपापोती करने की कोशिश की गई, तो ग्रामीण उग्र प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।

श्री वैदेही रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने किया महिलाओं से धोखा

कलेक्टर कार्यालय पहुंच महिलाएं ने लगाई गुहार

शहडोल।

रोजगार की तलाश में भटकती गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सब्जबाग दिखाकर उनके हक की गाढ़ी कमाई डकारने का एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। स्वस्थ बहन-सशक्त राष्ट्र का खोखला नारा बुलंद करने वाली संस्था श्री वैदेही रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन पर ग्रामीण और शहरी महिलाओं ने नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी और ठगी करने का संगीन आरोप लगाया है। ठगी की शिकार प्रताड़ित महिलाओं ने 02 जून को सीधे शहडोल कलेक्टर महोदय के पास पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

कलेक्टर को सौंपे गए लिखित शिकायती पत्र में त्रिवेणी केवट, रोशनी प्रजापति, भारती केवट और भारती प्रजापति सहित कई पीड़ित महिलाओं ने संस्था के काले कारनामों का कच्चा चि_ा खोला है। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, इस तथाकथित संस्था ने उन्हें सेनेटरी पैड के उपयोग और प्रचार-प्रसार के काम के लिए 10,000 से 13,000 रुपये प्रति माह की सैलरी का लालच देकर नौकरी पर रखा था। पम्पलेट के झांसे में आकर महिलाओं ने 01 अप्रैल से 31 मई तक हाड़-तोड़ मेहनत कर संस्था के लिए फील्ड में काम किया, लेकिन जब दो महीने बीतने पर सैलरी देने का वक्त आया, तो संस्था के हुक्मरानों ने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया और फूटी कौड़ी भी देने से साफ मुकर गए।

संस्था का खेल सिर्फ सैलरी डकारने तक ही सीमित नहीं रहा। पम्पलेट में नमांकन सहयोग राशि के नाम पर प्रति महिला से 151 रुपये का पंजीकरण शुल्क वसूला गया था। वादा किया गया था कि इसके बदले महिलाओं को 12 महीने तक निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन दिए जाएंगे। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई अन्य महिलाओं से भी यह राशि वसूलकर संस्था को जमा करवाई, लेकिन लगभग एक महीने से संस्था ने सेनेटरी पैड की सप्लाई भी पूरी तरह ठप कर रखी है। अब जिन महिलाओं का पैसा जमा कराया गया था, वे रोज़ इन पीड़ित कर्मचारियों के घर आकर हंगामा कर रही हैं, जिससे वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं।

जबलपुर (सुहागी) के पते पर रजिस्टर्ड इस तथाकथित फाउंडेशन के झूठ और प्रताडऩा से तंग आकर आखिरकार महिलाओं के सब्र का बांध टूट गया। उन्होंने कलेक्टर को पत्र सौंपकर मांग की है कि इस फर्जीवाड़े के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, उनकी दो महीने की रुकी हुई सैलरी दिलाई जाए और पीड़ित महिलाओं को उनका हक (12 माह का सेनेटरी पैड) दिलवाया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इन ठगों के खिलाफ तत्काल कानूनी शिकंजा कसता है या गरीब महिलाओं को इंसाफ के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ेंगी!

कांग्रेस ने फूंका सीएम का पुतला बुढ़ार ब्लॉक अध्यक्ष की अगुवाई में भारी बवाल, माफी की मांग

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी को लेकर समूचे जिले के कांग्रेसियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन एवं बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के आह्वान पर आज धनपुरी के मुख्य चौराहे आज़ाद चौक पर संयुक्त नगर, मंडलम कांग्रेस और वरिष्ठ नेताओं ने सूबे के मुखिया के खिलाफ एक बेहद उग्र और आक्रामक प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। पुतला दहन को रोकने के लिए मौके पर तैनात भारी पुलिस बल और प्रदर्शनकारियों के बीच छीना-झपटी और जबरदस्त झूमाझटकी देखने को मिली । हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक जनसभा के दौरान मर्यादाओं को ताक पर रखकर जीतू पटवारी को टपोरी और दो कौड़ी का अध्यक्ष कहा था। इस बयान ने प्रदेश की सियासत में आग लगा दी है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लेते हुए कहा मुख्यमंत्री का यह शर्मनाक बयान उनकी ओछी और संकीर्ण मानसिकता का जीता-जागता सबूत है। जीतू पटवारी एक सम्मानित किसान पुत्र और हमारे शीर्ष नेता हैं। उनके खिलाफ ऐसी सडक़ छाप भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता अपनी अंतिम सांस तक बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष सिंह सेंगर ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठकर विपक्ष के नेता के लिए ऐसी अभद्र भाषा बोलना लोकतंत्र का खुला अपमान है।

खबर संक्षेप

कालरी कर्मचारी समेत एक लोगों को पकड़ने का दावा, जांच की मांग

बदरा/जमुना। एसईसीएल की बदरा कालरी अंतर्गत नारायण खदान में 29 मई की रात कथित केबल चोरी का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खदान में उपयोग होने वाली केबल चोरी करते हुए कालरी कर्मचारी राजू साहू, जो बेल्ट फीटर के पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं, तथा महिपाल नामक हेल्पर, जो एक ठेका कंपनी से जुड़ा बताया जा रहा है, को पकड़ने का दावा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक चोरी की जा रही केबल की कीमत हजारों रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार खदान के ओवरमैन अरविंद भारती एवं शिफ्ट इंचार्ज देशमुख साहब ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर पड़ने के बाद कार्रवाई की। घटना के दौरान अन्य कर्मचारी भी मौके पर मौजूद बताए जा रहे हैं। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद घटना चर्चा का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक एसईसीएल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। मामले की पुष्टि और आगे की कार्रवाई जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस ने गुम हुए 12 मोबाइलों को किया दस्तयाब, मोबाइल पाकर मालिकों के चेहरे में खुशी

कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र मे अलग-अलग शिकायतें मोबाइल फोन गई गुमने के दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल द्वारा गुम हुए मोबाइल फोनों को तलाश करने हेतु टीम बनाई गई थी। पुलिस टीम द्वारा साइबर सेल अनूपपुर की मदद से 12 मोबाइल फोन कीमती करीब 1.80 लाख रुपया को दस्तयाब कर सोमवार को मोबाइल फोन के मालिकों को सुपर्द किया गया। गुम हुए मोबाइल फोन मिलने पर संबंधित आवेदकों ने पुलिस की प्रशंसा करते हुए खुशी जाहिर की है। कार्यवाही में थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल, प्रधान आरक्षक अरविंद प्रताप सिंह, राकेश सिंह, नरेंद्र मश्राम, महेश साहू, साइबर सेल अनूपपुर से प्र.आर. राजेंद्र अहिरवार व आरक्षक पंकज मिश्रा की भूमिका रही।

प्रभार में चल रहे चचाई थाना क्षेत्र में जुआ और सट्टे का एक छत्र राज

चचाई। विद्युत नगरी चचाई थाना जब से प्रभारी के हाथ में आया पूरे थाना क्षेत्र में जुआ सट्टा कबाड़ एवं गांजे का अवैध कारोबार दिन-रात पैर पसारते जा रहा है पुलिस पूरी तरह जानकर भी अनजान बनी हुई है जिसका दंश थाना क्षेत्रवासी झेलने को मजबूर हैं। थाना क्षेत्र के विवेक नगर कॉलोनी सहित आसपास क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुआ का संचालन हो रहा है थाना प्रभारी एवं बीट प्रभारी को जानकारी होने के बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। थाना क्षेत्र के विद्युत नगरी में पुराने सटोरिए अपने पुराने ठीहे से ही दुकान की आड़ में सट्टे का मोबाइल एवं पर्ची दोनों तरीके से कार्य कर रहे हैं सटोरिए अपने घरों से भी इस कारोबार को अंजाम दे रहे हैं इनके लोग आसपास के गांव बकेली, कोदैली, केल्हौरी, पावर हाउस, विवेक नगर, अमलाई आदि क्षेत्रों में घूम कर गेम लेकर अपने आंकओ को दे रहे हैं थाने में हर एक पुराने सटोरियों के बारे में जानकारी होने के बाद भी पुलिस उनके आसपास तक नहीं जाती पूरे बाजार क्षेत्र के कई दुकानों में केवल अंक गणित की चर्चा आम बात हो गई है। इसी तरह विद्युत नगरी से लगे ग्रामों में गांजे की बिक्री जोरों से हो रही है इनमें केल्हौरी ग्राम में गांजे की बिक्री वर्षों से हो रही है किंतु पुलिस जानकर भी कभी इन घरो तक नहीं जाती।

एसडीएम और पर्यावरण अधिकारी पर ईमान बेचने का संगीन आरोप

बजरंग पावर की जनसुनवाई में शाही दावत और गिफ्ट का खेल!

दलालों के चंगुल में फंसी उमरिया की माटी

उमरिया। जिले के आदिवासी बाहुल्य अंचल में अन्नदाताओं की किस्मत का सौदा करने का एक ऐसा सनसनीखेज और शर्मनाक मामला सामने आया है, जिसने समूचे प्रशासनिक अमले की साख को तार-तार कर दिया है। मामला ग्राम पतनारकला में मेसर्स बजरंग पावर कंपनी की प्रस्तावित परियोजना के लिए बीते 29 मई को आयोजित हुई पर्यावरण जनसुनवाई से जुड़ा है। आरोप है कि जिन प्रशासनिक कंधों पर गरीब आदिवासियों और किसानों की आपत्तियों को निष्पक्षता से दर्ज करने का जिम्मा था, वे जनसुनवाई का नाटक खत्म होते ही अपनी जेबें गर्म करने और कंपनी की शाही दावत उड़ाने फाइव स्टार अंदाज में होटल जा पहुंचे। भारतीय किसान संघ (उमरिया) के अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल द्वारा संभाग आयुक्त के माध्यम से देश के सर्वोच्च पदों को भेजी गई लिखित शिकायत ने भोपाल से लेकर दिल्ली तक के प्रशासनिक हलकों में हडक्रंप मचा दिया है।

अधिकारियों का काला खेल

शिकायत पत्र में किए गए धमाके के मुताबिक, जनसुनवाई में कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में मौजूद पाली एसडीएम मीनाक्षी बंजारे और पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी अशोक तिवारी ने ग्रामीणों की आंखों में धूल झोंकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जनता को झांसा देकर ये दोनों जिम्मेदार अधिकारी नियम-कायदों को बूटों तले रौंदते हुए कार्यक्रम स्थल से पूरे 22 किलोमीटर दूर शहडोल स्थित होटल सूर्या इंटरनेशनल जा पहुंचे। शिकायत में पुख्ता साक्ष्यों के साथ सनसनीखेज खुलासा किया गया है कि दोपहर 02:25 से 02:50 बजे के बीच इन दोनों साहबों ने मेसर्स बजरंग पावर कंपनी द्वारा प्रायोजित आलीशान दावत का लुत्फ उठाया। हद तो तब हो गई जब दोपहर 02:40 से 02:50 बजे के बीच अधिकारियों ने कंपनी के नुमाइंदों से वजनदार और पैक गिफ्ट पैकेट भी सहर्ष स्वीकार किए।

मातृभूमि का सौदा बर्दाश्त नहीं!

किसान संघ ने दोटूक कहा है कि अधिकारी इतने निम्न स्तर पर आ गए हैं कि उन्हें मातृभूमि का सौदा करने में भी कोई परहेज नहीं। यह माटी हमारे लिए महज जमीन का टुकड़ा नहीं, हमारी मां है। अधिकारियों को सिर्फ अपनी जेबें भरने से मतलब है। हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसानों के विनाश की कीमत पर उद्योगपतियों की तिजोरियां भरना कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीसीटीवी फुटेज मिटाने की साजिश

इस पूरे काले खेल को बेनकाब करने के लिए होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे सबसे बड़े गवाह हैं। किसान संघ ने आशंका जताई है कि शिकायत दर्ज होने के बाद रसूखदार अधिकारी और रईस कंपनी प्रबंधन इस डील के पुख्ता सबूत यानी सीसीटीवी फुटेज को डिलीट या नष्ट करने का पुरजोर प्रयास कर सकते हैं। इसलिए तत्काल फुटेज को जब्त कर सुरक्षित करने की मांग की गई है। किसान संघ ने दोनों अधिकारियों की नीयत पर अविश्वास जताते हुए आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। मांग की गई है कि एसडीएम मीनाक्षी बंजारे और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी अशोक तिवारी की निगरानी में अब तक आयोजित सभी फर्जी जनसुनवाइयों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। जो अधिकारी कंपनी के दरबारी मेहमान बन जाएं, उनकी किसी भी रिपोर्ट पर भरोसा करना खुदकुशी जैसा है।

भारतीय किसान संघ, जिला-उमरिया (म.प्र.)

पीएमओ और राष्ट्रपति भवन तक पहुंची गूंज

विवाद बढ़ता देख कंपनी अब यह लचर सफाई देकर पल्ला झाड़ रही है कि भोजन उनके कर्मचारियों के लिए था, अधिकारी वहां कैसे पहुंचे उन्हें नहीं पता, लेकिन जनता इस सफेद झूठ को सिरे से खारिज कर रही है। आखिर ऐसा कौन सा दिव्य संयोग था कि अधिकारी जनसुनवाई खत्म होते ही सीधे उसी होटल और उसी टेबल पर पहुंचे जहां कंपनी की सेटिंग थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय किसान संघ ने इस महाघोटाले की शिकायत की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव अनुराग जैन और कलेक्टर उमरिया को भेजी है। चेतावनी दी गई है कि यदि दोषी अधिकारियों और भ्रष्ट कंपनी के खिलाफ तत्काल सख्त दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो समूचा जिला उग्र आंदोलन की आग में झुलसेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। अब देखना यह है कि जांच के नाम पर हमेशा की तरह लीपापोती होती है या फिर इन रसूखदार मठाधीशों पर कानून का डंडा चलता है।

कलेक्टर ने सुनीं 131 आवेदकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 131 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न प्रकार की शिकायतें एवं मांगें प्रस्तुत की गईं। लालपुर निवासी हीरा सिंह ने नेशनल हाईवे के किनारे स्थित खसरा भूमि पर हो रहे अतिक्रमण की जांच तथा शासकीय भूमि से अवैध मिट्टी उत्खनन पर कार्रवाई की मांग की। वहीं उमरिया निवासी टीपू सुल्तान अंसारी ने झुग्गी-झोपड़ी योजना के तहत पट्टा प्रदान किए जाने का आवेदन दिया। अकबर अली रमपुरी ने आवास उपलब्ध कराने, चंदिया निवासी प्यारे लाल ने नक्शा तरमीम कराने तथा ग्राम पंचायत उफरी के मोहन सिंह राठौर, मोहित सिंह, भगवत सिंह, शिवदयाल एवं नंदकिशोर सहित अन्य ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत द्वारा फर्जी बिल लगाकर शासकीय राशि के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई। पाली निवासी राकेश सिंह ने बकाया वेतन एवं संवैधानिक भुगतान दिलाने, ममता बाई ने आहार अनुदान की राशि दिलाने, कैंप क्षेत्र की सिमरन दासवानी ने अपनी भूमि से ट्रांसफार्मर हटवाने तथा मानपुर निवासी प्रदीप विश्वकर्मा ने एनपीएस पेंशन एवं ग्रेच्युटी फंड का भुगतान कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

बांधवगढ़ में थम गईं पर्यटकों की सांसें

जीप के सामने आई आक्रामक बाघिन रॉ, दहाड़ से कांपा खितौली!

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में सुबह की सफारी के दौरान पर्यटकों का कलेजा उस वक्त मुंह को आ गया, जब मौत बनकर आई खूंखार बाघिन 'रॉ' अचानक उनकी जिप्सी के सामने अड़ गई। बाघिन के तेवर इतने उग्र और हिंसक थे कि कुछ क्षणों के लिए सफारी वाहन में सवार पर्यटकों की सांसें हलक में अटक गईं। घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर दावानल की तरह वायरल हो रहा है, जिसने वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के बीच दहशत और रोमांच का माहौल पैदा कर दिया है।

गाइड और ड्राइवर के फूले हाथ-पांव

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना खितौली जोन के हाथी कैंप के पास की है। पर्यटक सुबह की सुहानी धूप में जंगल सफारी का लुत्फ उठा रहे थे, तभी करीब छह वर्ष की चर्चित और बेहद आक्रामक बाघिन 'रॉ' अचानक झाडियों को चीरती हुई सडक़ पर आ धमकी। जिप्सी को देखते ही बाघिन का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने एक जोरदार और भयानक दहाड़ मारी और बेहद आक्रामक मुद्रा में सीधे पर्यटकों के वाहन की तरफ कदम बढ़ा दिए। बाघिन को अपनी ओर बढ़ता देख जिप्सी में चीख-पुकार मचने ही वाली थी कि माहौल में मौत का सन्नाटा पसर गया।

चालक की जांबाजी से बची पर्यटकों की जान

अगर सफारी वाहन के चालक ने पलक झपकते ही सूझबूझ न दिखाई होती, तो बड़ा हादसा तय था। स्थिति की विभीषिका को भांपते हुए चालक ने तुरंत मुस्तैदी दिखाई और गाड़ी को रिवर्स गियर में डालकर तेजी से पीछे की तरफ भगाया। चालक के इस त्वरित फैसले के कारण एक भयावह अनहोनी टल गई। पर्यटकों ने खौफ के इन खूनी पलों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जिसमें बाघिन का चेतावनी भरा और जानलेवा अंदाज साफ देखा जा सकता है।

याद दिलाया जंगल का कानून

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि बाघ अपने इलाके को लेकर बेहद संवेदनशील होते हैं। इंसानी दखल बढने पर वे इसी तरह आक्रामक रुख अपनाकर वारंट जारी करते हैं। रॉ ने अपने इस उग्र अंदाज से एक बार फिर साफ कर दिया है कि भले ही गाडियां इंसानों की हों, लेकिन जंगल का असली मालिक वही है।

कौन है यह खूंखार बाघिन रॉ?

वन विभाग के मुताबिक रॉ खितौली क्षेत्र की सबसे दबंग और इलाकाई बाघिन है। उसके आगे के पैर पर अंग्रेजी के 'रॉ' अक्षर जैसा कुदरती निशान होने के कारण उसका यह नाम पड़ा है। यह अपनी सल्तनत में किसी भी बाहरी दखल को बर्दाश्त नहीं करती और पहले भी कई बार पर्यटकों को खदेडक़र सुर्खियों में रह चुकी है। इस घटना ने साफ कर दिया है कि वन्यजीवों के क्षेत्र में जरा सी लापरवाही जान पर भारी पड़ सकती है। नियमों का पालन न करने वालों के लिए रॉ का यह तेवर एक खुली चेतावनी है।

इलाज के लिए रेडक्रॉस सोसायटी ने दी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

उमरिया। जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता के लिए जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा लगातार मानवीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में नौरोजाबाद के ग्राम निपनिया निवासी श्री रामकुमार सिंह राठौर की पत्नी श्रीमती सुमित्रा सिंह राठौर को उपचार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जानकारी के अनुसार, श्रीमती सुमित्रा सिंह राठौर सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और वर्तमान में जबलपुर स्थित मुखर्जी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने तथा गरीबी रेखा के अंतर्गत जीवन-यापन करने के कारण उपचार का खर्च वहन करना कठिन हो रहा था। इस संबंध में परिवार द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती राखी सहाय ने मामले का संज्ञान लिया और पीड़ित परिवार को राहत प्रदान करते हुए उपचार हेतु 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। सहायता राशि प्रदान किए जाने के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति अखिलेश त्रिपाठी तथा जिला सचिव राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

महंगाई-भ्रष्टाचार के खिलाफ आम आदमी पार्टी का हल्लाबोल

कोतमा। बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार और बिजुरी में नाबालिग के साथ हुई घटना के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने सोमवार को कोतमा नगर में हल्लाबोल विरोध प्रदर्शन किया गया। महंगाई हल्ला बोल लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, मो. इसराज मंसूरी, अमर गुप्ता, अनिल यादव, राजेंद्र तोमर द्वारा किया गया। रामकृपाल आर्मो ने कहा कि जनता त्रस्त, सरकार मस्त तहसील में बिना रिश्वत काम नहीं। हर परीक्षा बिक रही है। लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिल्ली में केजरीवाल फ्री बिजली-शिक्षा दे रहे, मध्य प्रदेश में मोहन सरकार लूट रही है। लाड़ली बहना के नाम पर धोखा बंद करो। सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, मोहन सरकार में न महंगाई रुक रही, न अपराध। गैस 1180, बिजली 8.35/यूनिट, डीजल-पेट्रोल सौ पार करके गरीब की कमर तोड़ दी। ऊपर से बिजुरी में नाबालिग बेटी के साथ जो हुआ, वो शर्मनाक है। प्रशासन लीपापोती कर रहा है। शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है। सरकारी स्कूल के भवन जर्जर हालत मे है पेपर लीक से युवा बर्बाद। दिल्ली मॉडल लागू करो। संविदा शिक्षक बेहाल हैं। इसराज मंसूरी ने कहा कि बिल से जनता बेहाल है 1250 रूपया देकर 3500 रूपया का बिल 450 रूपया वाला सिलेंडर 1180 रूपया कर दिया। रसोई से लेकर व्यापार तक सब महंगा। कर दिया। सरकार ने आम जनता का जीना बेहाल कर दिया और राहत सिर्फ पूंजीपतियो को, अमर गुप्ता ने कहा कि किसान को डीएपी खाद 1400 रूपया, बीज दोगुना, डीजल सौ पार। दूध 70 रूपया के पार हो गया है जिससे किसान की लागत नहीं निकल पा रही है। आटा 40, तेल 180 किलो। डीजल-पेट्रोल सौ पार होने से हर चीज महंगी हो गई है। आम आदमी पार्टी के हल्ला बोल कार्यक्रम के मुख्य थे बिजुरी नाबालिग मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट, फांसी व 50 लाख मुआवजा, दो गैस सिलेंडर 450 करो, मध्यप्रदेश में 200 यूनिट बिजली फ्री करो, सरकारी स्कूल अपग्रेड करो, पेपर लीक बंद करो, खाद-बीज आधे दाम पर दो। घोटाले की सीबीआई जांच कराओ। जिला अध्यक्ष संदीप पडवार एवं जिले के आम आदमी पार्टी के सभी ने आह्वान किया कि 16 जून को शहडोल जोन में प्रदेश प्रभारी की अगुवाई में होने वाली महारैली में अनूपपुर जिले एवं कोतमा विधानसभा से अधिकतम संख्या में कार्यकर्ता भागीदारी कर शहडोल जोन कूच किया जाएगा।

नौतपा के आखिरी दिन बादलों की आवाजाही और हल्की बूंदाबांदी से गर्मी व उमस से लोगों को मिली राहत

कोतमा। मंगलवार को नौतपा के आखिरी दिन बादलों की आवाजाही और हल्की बूंदाबांदी से भीषण गर्मी व उमस से लोगों को राहत मिली। ठंडी हवाओं के चलने से अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं (लू) से काफी सुकून मिला। नौतपा के शुरुआती दिनों में कोतमा और आसपास के क्षेत्रों में पारा लगातार ऊपर चढ़ रहा था। आखिरी दिन मौसम में आए इस बदलाव से अधिकतम तापमान सामान्य के करीब आ गया। स्थानीय स्तर पर बने मौसमी सिस्टम और बादलों की लुकाछिपी के कारण लगभग आधे घंटे हल्की बारिश और तेज आंधी तूफान के साथ चमक गरज के साथ ही ठंडी हवाएं चलीं। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस प्री-मानसून बारिश से किसानों को खरीफ फसलों की तैयारी और खेतों में नमी बढ़ाने में मदद की उम्मीद जगी है। पिछले नौ दिनों की भीषण गर्मी से झुलस रहे लोगों ने राहत की सांस ली। तापमान गिरने से शाम के समय बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की चहल-पहल बढ़ गई। ठंडी हवाओं ने भी मौसम को खुशनुमा गर्मी और उमस के कारण दोपहर के समय घरों में रहने को मजबूर लोग अब बाहर निकल रहे हैं। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी मौसम का सकारात्मक असर दिखा। नागरिकों का कहना है कि जून की शुरुआत में ऐसा सुहावना मौसम लंबे समय बाद देखने को मिला है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, नौतपा के दौरान हुई यह बारिश आगामी मानसून की गतिविधियों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यदि मौसम का यह मिजाज बना रहता है, तो आने वाले दिनों में भी तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है और अच्छी बारिश की संभावना मजबूत हो सकती है। मंगलवार को आधी तूफान चलने के साथ ही आधे घंटे हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है, जिससे लोगों को काफी सुकून मिला है।

प्रतिबंध के बावजूद की जा रही बोरिंग पर एसडीएम ने की कार्यवाही

उमरिया। जिले में जल संकट को देखते हुए लागू किए गए प्रतिबंधों के बावजूद अवैध रूप से बोरिंग कराए जाने के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती राखी सहाय द्वारा सम्पूर्ण उमरिया जिले को जल अभावग्रस्त घोषित करते हुए नए निजी हैंडपंप और ट्यूबवेल उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद बांधवगढ़ तहसील क्षेत्र में बोरिंग का कार्य किए जाने की शिकायत मिलने पर एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 3 के तहत जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किया गया है। साथ ही अधिनियम की धारा 6(1) के अंतर्गत जिले में नए निजी हैंडपंप, ट्यूबवेल उत्खनन तथा स्टॉप डैम, चेकडैम, नदी और तालाबों के पानी का सिंचाई कार्य में उपयोग आगामी आदेश तक प्रतिबंधित किया गया है। शिकायत के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह ने ग्राम डोगरगवां, पोस्ट मजमानी कला, वृत्त तामन्नारा में जांच की। जांच के दौरान रामलाल यादव पिता स्वर्गीय श्यामलाल यादव के घर परिसर में बोरिंग मशीन क्रमांक एमपी-54-जेडसी-1555 तथा ट्रक क्रमांक एमपी-54-जेडसी-1667 से बोरिंग कार्य करते हुए पाया गया। जांच में संबंधित पक्ष द्वारा बोरिंग कराने के लिए कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके बाद प्रशासन ने बोरिंग मशीन एवं संबंधित वाहन को जब्त कर थाना कोतवाली में अभिरक्षा हेतु खड़ा कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जल संरक्षण संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

भारी मात्रा में देशी, विदेशी अवैध शराब जब्त, फरार चल रहे दोनों आरोपी गिरफ्तार

बुढार।

थाना बुढार पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने न केवल भारी मात्रा में अवैध देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की है, बल्कि घटना के बाद से फरार चल रहे दोनों मुख्य आरोपियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

75 हजार से अधिक का माल बरामद

पुलिस ने मौके से लावारिस हालत में कुल 308 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल को जब्त किया था। जब्त किए गए मशरूका की कुल कीमत 75,118 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में थाना बुढार में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

मुखबिर की सूचना पर हुई थी घेराबंदी

मामला 26 मई 2026 का है, जब उपनिरीक्षक (सउनि.) गिरीश शुक्ला देहात भ्रमण पर थे। इसी दौरान उन्हें मुखबिर से भारी मात्रा में अवैध शराब के परिवहन की पुख्ता सूचना मिली। उन्होंने तुरंत थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार को मामले से अवगत कराया और उनके निर्देशन में एक विशेष टीम गठित कर छापा की कार्रवाई की। पुलिस टीम ने ग्राम देवरी रोड स्थित नगनउआ नाला के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी मौके पर ही अपनी मोटरसाइकिल (क्र. MP18ZJ7328) और शराब छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए थे।

फरार आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के निर्देशानुसार फरार आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी कड़ी में सोमवार 1 जून 2026 को पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली।पुलिस ने मुख्य आरोपी अरुण उर्फ डॉक्टर बरगाही (पिता दीपचंद बरगाही, उम्र 50 वर्ष, निवासी रसमोहनी) को हिरासत में लिया। पूछताछ और मेमोरेण्डम कथन के आधार पर उसने अपने दूसरे साथी रम्मू कोल उर्फ मुस्कू (पिता मंडल कोल, उम्र 45 वर्ष, निवासी रसमोहनी) का नाम कबूला। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बुढार न्यायालय में पेश कर दिया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई और आरोपियों को दबोचने में बुढार थाना प्रभारी के कुशल नेतृत्व सउनि. रविदास संत, सउनि. गिरीश शुक्ला, सउनि. राजेन्द्र तिवारी,प्र.आर. अमर बागरी (588), प्र.आर. महेन्द्र सिंह (522), प्र.आर. दशरथ प्रजापति (96), प्र.आर. प्रभात सिंह (291),आरक्षक आत्माराम महोबिया (638), आरक्षक गोपाल सिंह (292) एवं अन्य थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

संग्राम सिंह दफाई बना नशे का अड्डा! खुलेआम गांजा बिक्री से रहवासी परेशान, कार्रवाई नहीं होने पर उठे सवाल

धनपुरी। नगर के संग्राम सिंह दफाई क्षेत्र में कथित रूप से खुलेआम गांजा बिक्री का कारोबार चलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में सुबह से देर रात तक नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आम नागरिकों का जीना दूभर हो गया है। खासकर युवाओं और किशोरों के इस नशे की गिरफ्त में आने की बात को लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ती जा रही है।रहवासियों के अनुसार संग्राम सिंह दफाई में बाहरी क्षेत्रों से भी लोग गांजा खरीदने और सेवन करने पहुंचते हैं। शाम ढलते ही क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां बढ़ जाती हैं और देर रात तक लोगों का आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे की हालत में कई बार आपसी विवाद, गाली-गलौज, मारपीट और हंगामे जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है।कई बार शिकायत, फिर भी नहीं हुई ठोस कार्रवाईक्षेत्रवासियों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार पुलिस प्रशासन को मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध गतिविधि पर अंकुश नहीं लगाया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब पूरे जिले और संभाग में मादक पदार्थों की बिक्री और परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, तब संग्राम सिंह दफाई जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में कथित रूप से नशीले पदार्थों की उपलब्धता कैसे बनी हुई है। लोगों का मानना है कि इसकी निष्पक्ष जांच कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाना चाहिए।
युवाओं का भविष्य दांव पर
सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। यदि युवाओं को समय रहते इस लत से नहीं बचाया गया तो इसका असर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर पड़ेगा। क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान चलाने और अवैध कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रशासन से कार्रवाई की मांगरहवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि संग्राम सिंह दफाई क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाए तथा यदि अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फलों के राजा आम की हो रही बंपर बिक्री

कोतमा। गर्मियों के मौसम में फलों के राजा आम की बंपर बिक्री हो रही है। इस समय नगर के बाजारों में आंध्र प्रदेश से आने वाले सफेदा (बंगनपल्ली) और ओडिशा के सुवर्णरेखा जैसे आम छाए हुए हैं, जो अपनी मिठास और बेहतरीन स्वाद के लिए ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। भारत में आम की लगभग 1500 से अधिक किस्में पाई जाती हैं, जिनमें दक्षिण भारतीय किस्मों की अपनी एक अलग पहचान है आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों से भारी मात्रा में आम की खेप नगर की मंडियों तक पहुंच रही है, जिससे आम प्रेमियों को इस साल बेहतरीन वेरायटी खाने को मिल रही है। नगर के थोक फल विक्रेता जमशेद ने बताया कि इस साल फलो के राजा आम की बिक्री जोरदार हो रही है प्रतिदिन आंध्र प्रदेश एवं उड़ीसा प्रांत से आम की गाड़ियां मंडी मे आ रही है जिसकी बिक्री भी जमकर हो रही है।

पुरुषोत्तम मास पर बस स्टैंड स्थित श्री शंकर मंदिर में अग्रवाल महिला मण्डल ने शरबत, छाछ तथा फल का किया वितरण

बुढ़ार। पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व पर बस स्टैंड बुढ़ार के समीप स्थित श्री शंकर मन्दिर में अग्रवाल महिला मण्डल बुढार द्वारा भूत-भावन भोलेनाथ की पूजन अर्चन की गई इसके उपरांत वर्तमान गर्मी के तपन में श्रद्धालुजनों व राहगीरों को शरबत, छाछ, पना, फल, तथा मिष्ठान वितरण किया गया।
पुरुषोत्तम मास पर अग्रवाल महिला मण्डल बुढ़ार के इस सार्थक पहल की मुक्त कंठ से नागरिकों ने सराहना की है और इस पुनीत कार्य में श्रीमती ललिता सिंघानिया, श्यामा सिंघानिया, अनीता सराफ, नीलम सिंघानिया, अनीता अग्रवाल, अमिता सिंघल, सीमा तोंदी, सरोज जांलिया, कमला गर्ग, सारिका सिंघानिया तथा महिला मण्डल के सभी सदस्यों की भरपूर सहभागिता रही। वही बस स्टैंड के श्री तोमर का सहयोग भी सराहनीय रहा।

बुढार रेल्वे स्टेशन में यात्री सुविधाओं के विस्तार हेतु करवाये जा रहे निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर डी.आर.एम. रेल्वे के नामें दिया गया ज्ञापन

बुढार।

सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार ने रेल्वे स्टेशन बुढार में यात्री सुविधाओं की दृष्टि से करवाये जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुये निर्माण एजेन्सी के कार्यों को लेकर डी. आर. एम. रेल्वे बिलासपुर के नामें स्टेशन प्रबंधक को मांगपत्र सौंपा गया।

बुढार नगर के अतिमहत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन में विभिन्न निर्माण कार्य इन दिनों रेल्वे द्वारा निर्माण एजेन्सी (ठेकेदार) के माध्यम से करवाया जा रहा है, जो गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा रहा है, और गुणवत्ता विहीन हो रहे कार्यों का विरोध जताते हुए सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार-धनपुरी का एक प्रतिनिधि मण्डल सोमवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर के महाप्रबंधक के नामें दिया गया और करवाये जा रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कारगर पहल किये जानें की पुरजोर मांग की। सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति ने करवाये जा रहे निर्माण कार्य में उपयुक्त मसाला, सीमेन्ट, रेत तथा स्टोन निर्धारित मानकों के विपरीत का आरोप दिये गये मांगपत्र में लगाया है, वहीं निर्मित कराये गये कार्यों की तराई ना करवाये जानें से कार्य निकट भविष्य में जल्द नष्ट की आशंका भी जताई गई है। डी. आर. एम. रेल्वे के नामें दिये गये मांगपत्र में यह मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है कि - सड़क का निर्माण कार्य आर. ओ. बी. तक करवाया जाये, रेल्वे कालोनी में निर्मित सड़क के मध्य गति नियंत्रित के उद्देश्य से स्पीड ब्रेकर का निर्माण करवाया जाये तथा सड़क के दोनों ओर पानी के निकास हेतु नाली का निर्माण करवाया जाये इसके अलावा रेल्वे के फुट ओवर ब्रिज में लगे कपलर (रबर) के निकल जानें से उत्पन्न दुर्घटना की आशंका को देखते हुये त्वरित लोहे के मध्य लगे रबर कपलर को लगवाया जाये जो वाहनों के हित में अति सहायक होगा। एस. ई. सी. आर. रेल्वे बिलासपुर के वरिष्ठ मण्डल महा प्रबंधक के नामें ज्ञापन सौंपते समय सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति के संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष मनोज कुमार जैन के नेतृत्व में सचिव पवन कुमार सोनी, नुरुल्ला रंगरेज, सौरभ जैन, सनाउल्लाह, अभिषेक पटवारी, प्रशांत जैन, अशोक जगवानी, अशोक एस. जगवानी, दिलीप सोनी, नितिन जैन, अशोक जगवानी, श्रीकांत गुप्ता, हसन अस्करी, बीरनपाल यादव , मो. इस्माईल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बुढ़ार में हुसैनी ताज़ियादारी कमेटी का गठन, 1 से 9 मोहर्रम तक लगेगा आम लंगर

बुढ़ार।

नगर में मोहर्रम के पवित्र और ऐतिहासिक पर्व को गरिमामय, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाने के लिए लखेरन टोला, बुढ़ार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। सर्वसम्मति से आयोजित इस बैठक में 'हुसैनी ताज़ियादारी कमेटी' का विधिवत गठन किया गया, जिसमें नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

कमेटी की नई कार्यकारिणी

बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है:अध्यक्ष: गुलाम अशरफी,सचिव: नसीर राजा,नायब अध्यक्ष: फर्दीन (गोलू), जमील खान (पप्पू भाई), एवं जावेद कल्लू,कोषाध्यक्ष (खजांची): रहीम खान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल: 1 से 9 मोहर्रम तक आम लंगर

कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 मोहर्रम से 9 मोहर्रम तक आम लंगर का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस लंगर की खास बात यह है कि इसमें सभी धर्मों एवं समुदायों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर ग्रहण करते हैं। यह आयोजन क्षेत्र में आपसी भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत की एक अनूठी मिसाल पेश करता है।

ताज़िया ज़ियारत के लिए उमड़ेगी अकीदतमंदों की भीड़

मोहर्रम के पाक मौके पर अकीदतमंदों द्वारा बेहद खूबसूरत ताज़िया तैयार किया जाता है। इस ताज़िए की ज़ियारत (दर्शन) के लिए बुढ़ार शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। लोग यहाँ पहुंचकर इमाम हुसैन (अ.स.) और शहीदान-ए-कर्बला की बारगाह में अपनी अकीदत (श्रद्धा) पेश कर फ़ैज़याब होते हैं।

शांति और अनुशासन पर चर्चा

बैठक के दौरान मोहर्रम के सभी कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण, अनुशासित और भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने की रूपरेखा तैयार की गई। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि: "मोहर्रम हमें सब्र (धैर्य), कुर्बानी, इंसानियत, भाईचारे और हक़ (सच्चाई) की राह पर हमेशा डटे रहने का पैगाम देता है।इस दौरान मुख्य रूप से अफजल मुन्ना भाई, रईस भाई, नसीर राजा, शमशेर बंटू, रहीम खान, दानिश खान, फर्दीन खान सहित बड़ी संख्या में इमाम हुसैन (अ.स.) और शहीदान-ए-कर्बला से मोहब्बत रखने वाले स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में तीन दिवसीय जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

धनपुरी।

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र द्वारा 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय, सोहागपुर द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रमों की शुरुआत 3 जून को होगी। सुबह 11 बजे आर.सी. क्लब, आर.सी. कॉलोनी में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन से जुड़े विषयों पर छात्र अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।4 जून को सुबह 10:30 बजे अमलाई ओपनकास्ट परियोजना के डंप क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता से बड़ी संख्या में पौधे रोपे जाएंगे। इसी दिन शाम 4:30 बजे महाप्रबंधक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित होगी।विश्व पर्यावरण दिवस के मुख्य आयोजन 5 जून को होंगे। सुबह 10 बजे महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण, पर्यावरण संरक्षण की शपथ तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके उपरांत सुबह 11 बजे आर.सी. क्लब में समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।एसईसीएल प्रबंधन

का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों और कर्मचारियों को जोड़कर पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय ने सभी विद्यालयों एवं कर्मचारियों से कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता की अपील की है।अति विशेष:₹हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र विश्व पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगा। चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता, वृक्षारोपण और शपथ ग्रहण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

खाटू वाले श्याम मन्दिर ओ.पी.एम. में विशाल भजन संध्या का श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से लाभ अर्जित किया

बुढ़ार।

श्री श्याम मन्दिर ओ.पी.एम. में श्याम बाबा के 23 वें वार्षिक महोत्सव के पावन अवसर पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया और भजन को सुन श्रद्धालुजन पूरे श्रद्धाभाव से झूम उठे। खाटू वाले श्याम मन्दिर ओ.पी.एम. (अमलाई) में हजारों श्रद्धालु धर्म प्रेमी मन्दिर पहुंचकर श्याम बाबा का दर्शन किये और पूजन अर्चन कर अपना जीवन सौभाग्यमय बनाया। करने वाले श्याम, कराने वाले श्याम के संयोजन में श्याम बाबा के 23 वें वार्षिक महोत्सव पर ओ.पी.एम. मन्दिर से भव्य निशान शोभायात्रा बाजे-गाजे व जयघोष के साथ मुख्य मार्गों में निकाली गई जिससे समूचा वातावरण श्रद्धामय रहा। श्याम बाबा के वार्षिक महोत्सव पर देश एवं प्रदेश के ख्याति प्राप्त भजन गायक- रोहित शर्मा, प्रियांशु मित्तल, यशी चौरसिया तथा अम्बे- अंजली ने आयोजित विशाल भजन संध्या में वाद्ययंत्रों के मध्य एक से बढ़कर अनेक भजनों की मनोहारी प्रस्तुति खाटू वाले श्याम मन्दिर में प्रस्तुत की जिसकी धर्मप्रेमियों ने पूरे श्रद्धाभाव से भजनों का श्रवण किये और श्रद्धाभाव से सराबोर होकर झूम उठे। भजन संध्या कार्यक्रम भोर तक चला जिसमें धर्मप्रेमियों के साथ साथ अन्य धर्म प्रेमियों ने भी भरपूर लाभ अर्जित किया और कार्यक्रम की प्रशंसा की।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)
क्रमांक/189/प्रवा.अप.कले./2026
उमरिया दिनांक 01/06/2026
इश्तहार / उद्घोषणा
सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक (वर पक्ष) बनारस यादव पिता स्व. चतुराई यादव निवासी ग्राम करौंदी टोला पो. बिजौरी तहसील मानपुर जिला उमरिया म.प्र. एवं आवेदिका (वधू पक्ष) ललिता प्रजापति पिता भदैया प्रजापति निवासी ग्राम बिजौरी थाना मानपुर तहसील मानपुर जिला उमरिया म.प्र. द्वारा हिन्दू विवाह अधि. 1955 के प्रावधानों अंतर्गत विवाह एवं विवाह पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अत: उक्त विवाह पंजीयन किये जाने के संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 29/06/2026 तक न्यायालीन समय 10:00 बजे से 06:00 बजे के दौरान स्वयं अथवा विधि व्यावसायी के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। दिनांक 29/06/2026 को आपत्तियों के आमंत्रण के लिये प्रकरण में तिथि नियत है, अत: इस तिथि के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/05/2026 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।
सील
अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला-उमरिया जिला उमरिया (म.प्र.)

न्यायालय: अरविन्द कुमार बरला न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
"इश्तहार"
दीपक कुमार सिंह यादव ...... आवेदक
बनाम
मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी अनूपपुर वगैरह...........अनावेदकगण
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारती उत्तराधिकार अधिनियम प्रकरण क्रमांक- एम.जे.सी. सक्सेश क्रमांक - 18 / 2026
पेशी दिनांक- 15.07.2026
प्रेषित:- 3- अन्य जिससे संबंधित हो ।
आम जनता को सूचित किया जाता है कि दीपक कुमार सिंह यादव पिता रामवचन यादव उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम पकरिया वार्ड क्रमांक- 06, थाना व तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. द्वारा की अनावेदक क्रमांक - 1 मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय अनूपपुर म.प्र. वगैरह के विरुद्ध कार्यालय में जमा संपूर्ण राशि एवं उस पर मिलने वाला ब्याज मय लाभांश को प्राप्त करने के लिए राशि संपत्ति हेतु उत्तराधिकार अथवा अभिभावक - संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 15.07.2026 को होना है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 15 जुलाई 2026 को न्यायालय में स्वयं एवं अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थिति रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षी की जाकर प्रकरण को निराकरण किया जावे। यह आज तारीख 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
(अरविंद कुमार बरला)
सील व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र.
नोट:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यायालय: अरविन्द कुमार बरला न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
"इश्तहार"
दीपक कुमार सिंह यादव ...... आवेदक
बनाम
एस.ई.सी.एल. सोहागपुर क्षेत्र वगैरह...........अनावेदकगण
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारती उत्तराधिकार अधिनियम प्रकरण क्रमांक - एम.जे.सी.सक्सेश क्रमांक - 19/2026
पेशी दिनांक- 15.07.2026
प्रेषित:- 3- अन्य जिससे संबंधित हो ।
आम जनता को सूचित किया जाता है कि दीपक कुमार सिंह यादव पिता रामवचन यादव, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम पकरिया वार्ड क्रमांक - 06, थाना व तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. द्वारा अनावेदक क्रमांक - 1 एस. ई. सी. एल. सोहागपुर क्षेत्र वगैरह के विरूद्ध कार्यालय में जमा संपूर्ण राशि एवं उस पर मिलने वाला ब्याज मय लाभांश को प्राप्त करने के लिए राशि संपत्ति हेतु उत्तराधिकार अथवा अभिभावक - संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 15.07.2026 को होना है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 15 जुलाई 2026 को न्यायालय में स्वयं एवं अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थिति रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण को निराकरण किया जावे। यह आज तारीख 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
(अरविंद कुमार बरला)
सील व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र.
नोट:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

खबर संक्षेप

वर्षों से फरार तीन वारंटी गिरफ्तार, अमरकंटक पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में थाना अमरकंटक पुलिस ने 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे तीन स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना प्रभारी निरीक्षक एलबी तिवारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने लगातार प्रयास एवं मुखबिर सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभियान में उपनिरीक्षक पीएस बघेल, सहायक उपनिरीक्षक पीआर धनंजय, प्रधान आरक्षक पूरन सिंह मरावी, प्रधान आरक्षक तिलक सिंह तथा आरक्षक कृष्णा सिंह राजावत, रवि पटेल, रघुराज सिंह एवं पवन तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्थायी वारंटी धन्नू बैगा (41 वर्ष) निवासी जालेश्वर टोला, फररी सेमर को प्रकरण क्रमांक 23/22, धारा 354, 323 ताहि. एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया। इसके अलावा वसूली वारंटी प्रकरण क्रमांक 156/25, धारा 125(3) बीएनएसएस के तहत विष्णु सिंह ओट्टी (28 वर्ष) निवासी भीमकुंडी को पकड़ा गया। वहीं प्रकरण क्रमांक 482/22 एवं अप.क्र. 461/22, धारा 304(ए) ताहि. के मामले में फरार चल रहे रामप्रसाद पड़वार (29 वर्ष) निवासी स्कूलटोला, हरई को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों को विधिवत न्यायालय में पेश किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अमरकंटक पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

सेवा दिवस पर शांति नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सेवा दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, अनूपपुर द्वारा सेवा बस्ती शांति नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ रक्तचाप (बी.पी.), शुगर एवं एनसीडी (गैर-संचारी रोग) संबंधी जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 70 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। चिकित्सकीय जांच के दौरान लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किए गए तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. देवेंद्र तिवारी, जिला प्रतिनिधि कमलाकर गौतम तथा सदस्य मनोज द्विवेदी, हरिशंकर वर्मा, रामप्रकाश द्विवेदी एवं अनिल तिवारी, स्थानीय जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग का अमला, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका ने उल्लेखनीय सहभागिता निभाई। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

एचएमएस अध्यक्ष रेशम लाल यादव के पत्र और जांच रिपोर्ट से यूनियन राजनीति में मचा हड़कंप

2 करोड़ से अधिक की सदस्यता निधि पर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कोयला क्षेत्र की श्रमिक राजनीति में एक बड़ा विवाद सामने आया है, जिसमें कोयला मजदूर सभा की सदस्यता निधि, संगठनात्मक वैधता और यूनियन नेतृत्व को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। हिन्द खदान मजदूर फेडरेशन (एचएमएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशम लाल यादव द्वारा एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के महाप्रबंधक को भेजे गए पत्र तथा संगठन के भीतर गठित जांच समिति की रिपोर्ट ने इस पूरे मामले को नए सिरे से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

रेशम लाल यादव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में आरोप लगाया गया है कि कॉमरेड नाथूलाल पाण्डेय के विरुद्ध आर्थिक अनियमितताओं और संविधान-विरोधी गतिविधियों संबंधी शिकायतें लंबित हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी होने से पहले विभिन्न क्षेत्रों में समितियों का गठन कर उन्हें प्रबंधन के समक्ष प्रतिनिधित्व और वार्ता के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी आधार पर एसईसीएल प्रबंधन से मांग की गई है कि 31 दिसंबर 2025 से पूर्व गठित समितियों को ही मान्यता दी जाए तथा विवादित या कथित रूप से असंवैधानिक समितियों से किसी प्रकार की वार्ता न की जाए। मामले की शुरुआत शिकायतकर्ता कॉमरेड अमलेश कुमार विश्वास द्वारा दर्ज शिकायत से हुई, जिसमें आर्थिक अनियमितताओं और मनमाने निर्णयों के आरोप लगाए गए। इसके बाद गठित जांच समिति, जिसमें कॉमरेड हरि यादव, कॉमरेड तज कुमार और कॉमरेड अख्तर जावेद शामिल थे, ने उपलब्ध दस्तावेजों और बयानों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के अनुसार श्रमिकों से प्राप्त सदस्यता निधि का एक हिस्सा विभिन्न निजी कंपनियों को ऋण के रूप में दिया गया। दस्तावेजों में विशेष रूप से आदित्य ट्रांसमूव्स प्राइवेट लिमिटेड का उल्लेख किया गया है। जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत अभिलेखों के आधार पर यह दावा किया गया है कि कंपनी के संस्थापक निदेशक कॉमरेड नाथूलाल पाण्डेय थे तथा बाद में उनके परिवार के सदस्य भी कंपनी के निदेशक बने। जांच समिति के अनुसार लगभग 12 वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड, वार्षिक रिटर्न और उपलब्ध दस्तावेजों के अध्ययन से यह आरोप सामने आया कि 2 करोड़ से अधिक राशि विभिन्न कंपनियों को ऋण के रूप में दी गई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जिन कंपनियों को यह राशि दी गई, उनमें से कुछ का संबंध नाथूलाल पाण्डेय अथवा उनके परिजनों से था। शिकायतकर्ताओं ने इसे श्रमिकों की सदस्यता निधि के कथित दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितता और संगठन की संपत्ति के कथित दुरुपयोग का मामला बताया है। रिपोर्ट में यह भी आरोप दर्ज है कि ऋण की वापसी, ब्याज और शेष देनदारियों का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया तथा कुछ मामलों में ऋण समायोजन और राहत जैसी स्थितियां भी सामने आईं। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया कि भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के रिकॉर्ड के माध्यम से संबंधित कंपनियों के निदेशकों की जानकारी का सत्यापन किया जा सकता है। समिति का दावा है कि उपलब्ध रिकॉर्ड से कुछ कंपनियों में नाथूलाल पाण्डेय और उनके परिजनों की भूमिका की पुष्टि होती है।

इन आरोपों के आधार पर संगठन के भीतर नेतृत्व और वैध प्रतिनिधित्व को लेकर विवाद और गहरा गया है। इसी संदर्भ में हिन्द खदान मजदूर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशम लाल यादव ने एसईसीएल प्रबंधन को पत्र लिखकर मांग की है कि जांच और वैधानिक स्थिति स्पष्ट होने तक विवादित समितियों को मान्यता न दी जाए तथा केवल पूर्व में विधिवत गठित समितियों को ही चर्चा और वार्ता के लिए आमंत्रित किया जाए। हालांकि उपलब्ध दस्तावेजों में दर्ज आरोप गंभीर हैं, लेकिन इन पर किसी न्यायालय, रजिस्ट्रार या सक्षम वैधानिक प्राधिकरण का अंतिम निर्णय उपलब्ध नहीं है। इसलिए वर्तमान स्थिति में इन्हें जांच समिति की रिपोर्ट और शिकायतों में दर्ज आरोपों के रूप में ही देखा जा रहा है। इसके बावजूद, करोड़ों रुपये की सदस्यता निधि, निजी कंपनियों को कथित ऋण और यूनियन नेतृत्व से जुड़े सवालों ने कोयला क्षेत्र की श्रमिक राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और संगठनात्मक विश्वसनीयता को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।

अमरकंटक में पांच दिनों से संचार संकट

बीएसएनएल नेटवर्क ठप, पर्यटक और स्थानीय उपभोक्ता बेहाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक इन दिनों गंभीर संचार संकट से जूझ रही है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की मोबाइल नेटवर्क सेवा पिछले पांच दिनों से पूरी तरह बाधित होने के कारण स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, शासकीय कार्यालयों तथा दूर-दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क सेवा ठप होने से संचार व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बीएसएनएल उपभोक्ता अपने परिजनों एवं आवश्यक सेवाओं से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ हैं। वहीं तीर्थाटन और पर्यटन के उद्देश्य से अमरकंटक पहुंचे श्रद्धालु एवं सैलानी भी मोबाइल नेटवर्क के अभाव में असुविधा महसूस कर रहे हैं। डिजिटल युग में मोबाइल संचार जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है, ऐसे में नेटवर्क बंद होने से ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग लेन-देन, शासकीय कार्य तथा अन्य आवश्यक डिजिटल सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नेटवर्क बाधित होने के कारणों एवं सुधार कार्य की प्रगति के संबंध में बीएसएनएल प्रशासन द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उपभोक्ताओं को यह तक नहीं बताया जा रहा कि सेवा कब तक पुनः बहाल हो सकेगी। सूचना के अभाव ने लोगों की चिंता और असंतोष को और बढ़ा दिया है।

विशेष बात यह है कि अमरकंटक से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित जालेश्वर धाम क्षेत्र में बीएसएनएल नेटवर्क सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के पेंड्रा रोड तथा अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ एवं राजेंद्रग्राम क्षेत्रों में भी बीएसएनएल की सेवाएं सुचारु बनी हुई हैं। इसके विपरीत अमरकंटक नगर में नेटवर्क पूरी तरह ठप होने से यह समस्या स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। नगर के नागरिकों, व्यापारिक संगठनों तथा बीएसएनएल उपभोक्ताओं ने भारत संचार निगम लिमिटेड के शहडोल एवं अनूपपुर संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर नेटवर्क सेवा बहाल कराने की मांग की है। उनका कहना है कि देशभर में प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक में संचार सेवाओं का इतने लंबे समय तक बाधित रहना न केवल प्रशासनिक चिंता का विषय है, बल्कि इससे क्षेत्र की पर्यटन व्यवस्था एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें संबंधित अधिकारियों की कार्यवाही पर टिकी हैं। सभी को उम्मीद है कि बीएसएनएल प्रशासन शीघ्र प्रभावी कदम उठाकर नेटवर्क सेवा को पुनः सुचारु करेगा, ताकि अमरकंटक के हजारों उपभोक्ताओं को निर्बाध संचार सुविधा उपलब्ध हो सके।

डैम में बोरी से बंधी मिली युवक की लाश

हाथ-पैर रस्सी से बंधे होने से हत्या की आशंका, तीन दिन बाद पानी में तैरता दिखा शव

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

जिले के थाना भालूमाड़ा अंतर्गत ग्राम छोहरी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव निवासी मोटू उर्फ सनी (18 वर्ष) पिता रंजू सहीस का शव छोहरी ओसीएम खदान के डैम में संदिग्ध परिस्थितियों में तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शव की स्थिति देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रविवार को ग्रामीणों ने डैम के पानी में एक शव तैरता हुआ देखा। सूचना मिलते ही ग्राम सरपंच ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि शव लगभग तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा था, जो पानी के ऊपर आ गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव को बाहर निकलवाया तो उसके हाथ और पैर नायलॉन की रस्सी से बंधे हुए पाए गए। इतना ही नहीं, मृतक की पीठ पर एक बोरी बंधी हुई थी, जिसमें रेत भरी हुई थी। शव की स्थिति और मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए घटना को बेहद गंभीर माना जा रहा है। मृतक के शरीर पर कई स्थानों पर चोट के निशान भी दिखाई दिए हैं, जिससे यह मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है। क्षेत्र में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। उनके साथ पुलिसकर्मी दशरथ बागड़ी, कृपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए तथा पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मृतक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, उसे डैम तक कैसे पहुंचाया गया तथा घटना के पीछे कौन लोग हो सकते हैं, इन सभी बिंदुओं पर जांच जारी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अन्य तथ्यों के सामने आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। हालांकि शव की स्थिति को देखते हुए यह मामला पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर के टीम भावना से किए गए कार्य प्रशंसा योग्य-कलेक्टर

अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय हुए सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज<अनूपपुर।

शासकीय सेवा की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय सेवानिवृत हो गए। उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार मे विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय के टीम भावना से किए गए कार्य तथा उनकी कार्य के प्रति सतत रूप से तत्परता प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि अपर कलेक्टर की सुदीर्घ कार्य प्रणाली तथा दीर्घ अनुभव के कारण स्टाफ ने अच्छा रिस्पांस किया, जिससे समय पर कार्यों का संपादन संभव हो सका। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सेवानिवृत्ति पर अपर कलेक्टर पाण्डेय को भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके अपने अनुभव का लाभ समाज को देते हुए बेहतर परिवार दायित्व के लिए मंगल कामना प्रेषित की। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने कहा कि सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय की कार्य-प्रणाली बहुत सी बातें सिखाने वाली है। उन्होंने शासकीय सेवकों को पाण्डेय के अच्छे गुणो को अपनाकर अपने कार्य क्षमता मे वृद्धि करने की अपेक्षा व्यक्त करते हुए पांडेय के उज्ज्वल व सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना की। सेवानिवृत्ति पर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने किए गए कार्यों को याद करते हुए सभी से टीम भावना से कार्य कर जनहित के बेहतर कार्य दायित्व के निर्वहन की कामना की। उन्होंने सहयोग के लिए सभी का आभार भी ज्ञापित किया। विदाई सह सम्मान समारोह के अवसर पर डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, जिला पंचायत के जिला समन्वयक (सामाजिक अंकेक्षण) संदीप शुक्ला तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय ने भी विचार व्यक्त करते हुए सेवानिवृत्ति पर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय के सुखद व सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना व्यक्त की। इस अवसर पर अनूपपुर, जैतहरी एवं कोतमा के एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे। अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अपर कलेक्टर को स्मृति चिन्ह, शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

आचार्य महामंडलेश्वर रामकृष्णानंद महाराज के मंगल आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

तरवारा श्रीनगर में गूंजा भागवत भक्ति का स्वर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

ग्राम तरवारा श्रीनगर में आध्यात्मिक उल्लास और भक्तिभाव का अनुपम वातावरण उस समय निर्मित हो गया, जब अनंत विभूषित, परम पूज्य, अग्निपीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर, ब्रह्मर्षि श्रीमद् रामकृष्णानंद महाराज, मार्कंडेय आश्रम अमरकंटक का मंगल आगमन हुआ। गुरुदेव के ग्राम में पहुंचते ही श्रद्धालुओं और भक्तजनों ने पुष्पमालाओं से उनका आत्मीय स्वागत कर नमन, वंदन एवं अभिनंदन किया तथा उनके पावन सान्निध्य में आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुदेव के आगमन से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार, जयघोष और भक्ति गीतों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। 1 जून, सोमवार से ग्राम में विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ कथा का शुभारंभ हुआ। भव्य कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कलश यात्रा के दौरान संपूर्ण ग्राम भक्तिरस में डूबा दिखाई दिया और वातावरण जय श्रीकृष्ण तथा हरि नाम के उद्घोषों से गुंजायमान रहा। कथा के प्रथम दिवस व्यासपीठ से पूज्य महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण के महत्व का अत्यंत रसपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वर्णन किया। उन्होंने शुकदेव उत्पत्ति, राजा परीक्षित मोक्ष प्रसंग तथा भागवत महात्म्य की दिव्य कथाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, ज्ञान, वैराग्य और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करने वाला दिव्य प्रकाशस्तंभ है। महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि कलियुग में भगवान के नाम, कथा और सत्संग ही जीव के कल्याण का सर्वोत्तम साधन हैं। भागवत श्रवण से मनुष्य के अंतःकरण की शुद्धि होती है तथा उसे ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति प्राप्त होती है। कथा के प्रथम दिवस श्रद्धालुओं ने बड़े भाव और श्रद्धा के साथ कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा अमृत का लाभ लेने की अपील की है। आगामी दिनों में श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ के अंतर्गत विभिन्न दिव्य प्रसंगों का रसपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 94 आवेदकों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 94 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल, तहसीलदार भू-संसाधन एवं प्रबंधन प्रदीप मोगरे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।

जनसुनवाई में जैतहरी निवासी सुषमा राठौर ने सीमांकन कराए जाने, बिजुरी वार्ड क्र. 9 निवासी संतोष कुमार जायसवाल ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम हर्री निवासी रामसुन्दर राठौर ने फसल नुकसान की मुआवजा राशि दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम थानगांव निवासी कामता सिंह ने पी.एम. विश्वकर्मा योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील जैतहरी के ग्राम लहसुना निवासी शंकरलाल ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम पंचायत मेड़ियारास निवासी राहुल नामदेव ने ग्राम पंचायत के वार्ड नं. 02 सिकटहा टोला में विद्युत पोल लगवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा फौती नामांतरण की नकल दिलवाए जाने, जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने, खसरे में सुधार किए जाने, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।